अनोखा पत्र

1.

पाठ का सारांश

यह पाठ एक विदेशी कथा का अनुवाद है, जिसमें एक किसान भगवान पर बहुत विश्वास रखता है। एक बार मुसीबत पड़ने पर वह कुछ रुपये मँगवाने के लिए भगवान को चिट्ठी लिखता है। डाकघर वाले चिट्ठी पढ़कर उसकी मदद करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह डाक विभाग के लोगों पर ही शक करता है और भगवान के नाम एक शिकायती पत्र लिखता है।

Summary

This lesson is translation of a foreign story in which a farmer has deep faith on God. Once in trouble, he writes a letter to God. The post office staff tried to help him but he suspects them and writes a complaint letter to God.

2. पढ़ें और वचन बदलें—

चिट्ठी	—	····चिट्ठियाँ····	पत्ता	—	····पत्ते····
फसल	—	····फसलें····	लिफ़ाफ़ा	—	····लिफ़ाफ़े····
बूँद	—	····बूँदें····	रुपया	—	····रुपये····

3. पढ़ें, समझें और लिखें—

अ	+	विश्वास	—	····अविश्वास····	कु	+	पात्र	—	····कुपात्र····
अ	+	प्रसन्न	—	····अप्रसन्न····	सु	+	पात्र	—	····सुपात्र····
अ	+	टल	—	····अटल····	सु	+	मार्ग	—	····सुमार्ग····
अ	+	जर	—	····अजर····	कु	+	मार्ग	—	····कुमार्ग····

4.

क. लेंचो और उसकी पत्नी पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा—कैसे?

ओलों के कारण मक्की की फसल खराब हो गई थी। घर की जमा-पूँजी खत्म हो गई थी और भूखे मरने की नौबत आ गई थी।

ख. चिट्ठी पढ़ने के बाद डाकियों ने क्या किया?

चिट्ठी पढ़ने के बाद डाकियों ने मिलकर अस्सी रुपये इकट्ठे किए और लेंचो को भेज दिए।

ग. लेंचो को क्रोध क्यों आया?

लेंचो ने जब लिफ़ाफ़ा खोला तो सौ की जगह अस्सी रुपये पाए। बीस रुपये कम होने के कारण लेंचो को क्रोध आया।